Roll No. ..... Total Pages: 04

2151

B.A. SECOND YEAR EXAMINATION, 2019

SANSKRIT

Paper – I

नाटक, छन्द एवं अलंकार

Time: Three Hours

Maximum Marks: 100

PART – A (खण्ड – अ) *[Marks: 20]*

Answer all questions (50 words each).

All questions carry equal marks.

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 50 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – B (खण्ड – ब) *[Marks: 50]*

Answer five questions (250 words each).

Selecting one from each unit. All questions carry equal marks.

*प्रत्येक इकाई से **एक–एक** प्रश्न चुनते हुए, कुल **पाँच** प्रश्न कीजिए।*

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 250 शब्दों से अधिक न हो।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

PART – C (खण्ड – स) *[Marks: 30]*

Answer any two questions (300 words each).

All questions carry equal marks.

*कोई **दो प्रश्न** कीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 300 शब्दों से अधिक न हो।*

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड – अ

Q.1 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए।

(i) अभिज्ञानशाकुन्तलम की मूल कथावस्तु कहाँ से ली गई है? (2)

(ii) नाट्यशास्त्रीय दृष्टि से शकुन्तला किस श्रेणी की नायिका है? (2)

(iii) महर्षि दुर्वासा ने शकुन्तला के श्राप मुक्ति का क्या उपाय बताया? (2)

(iv) "अनिर्वर्णनीयं परकलत्रम्" पंक्ति का अर्थ स्पष्ट करें? (2)

(v) दुष्यन्त के मारीच ऋषि के आश्रम में पहुँचने पर सर्वदमन को क्या करते हुए देखा? (2)

(vi) भरत वाक्य किसे कहते हैं? (2)

(vii) किस छन्द में क्रमशः मगण, तगण, तगण और अंत में दो गुरु वर्ण होते हैं? (2)

(viii) किस छन्द में छः, चार एवं सात वर्णों पर यति होती है? (2)

(ix) संदेह और भ्रान्तिमान अलंकार में क्या अन्तर है? (2)

(x) उपमान की अपेक्षा उपमेय का आधिक्य किस अलंकार में वर्णित होता है? (2)

खण्ड – ब

इकाई – I

Q.2 निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या कीजिए : (10)

तीव्राघात प्रतिहत तरुस्कन्धलग्नैकदन्तः

पादाकृष्ट व्रतति वलया संगसंजात पाशः।

मूर्तो विध्नस्तपस इव नो भिन्नसारंगयूथो

धर्मारण्यं प्रविशति गजः स्यन्दनालोक भीतः।।

अथवा

अध्याक्रान्ता वसतिरमुनाऽप्याश्रमे सर्वभोग्ये

रक्षायोगादयमपि तपः प्रत्यहं सञ्चिनोति।

अस्यापि द्यां स्पृशति वशिनश्चारणद्वन्द्वगीतः

पुण्यः शब्दो मुनिरिति मुहुः केवलं राजपूर्वः।।

इकाई – II

Q.3 निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक की सप्रसंग हिन्दी व्याख्या कीजिए : (10)

शुश्रूषस्व गुरून्कुरु प्रियसखिवृत्तिं सपत्नीजने,

भर्तुर्विप्रकृवाऽपि रोषणतया मा स्म प्रतीपं गमः।

भूयिष्ठं भव दक्षिणा परिजने भाग्येष्वनुत्सेकिनी

यान्त्येव गृहिणीपदं युवतयो वामाः कुलस्याधयः।।

अथवा

कार्या सैकतलीनहंसमिथुना स्त्रोतोवहा मालिनी

पादास्तामभितो निषण्णहरिणा गौरीगुरोः पावनाः।

शाखालम्बितवल्कलस्य च तरोनिर्मातुमिच्छाम्यधः

शृंगे वामनयस्य वामनयनं कण्डूयमानां मृगीम्।।

इकाई – III

Q.4 निम्नलिखित श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसंग संस्कृत व्याख्या कीजिए : (10)

अर्धपीतस्तनं मातुरामर्दक्लिष्ट केसरम्।

प्रक्रीडितुं सिंहशिशुं बलात्कारेण कर्षति।।

अथवा

उदेति पूर्वं कुसुमं ततः फलम्, घनोदयः प्राक् तदनन्तरं पयः।

निमित्त नैमित्तिकयोरयं क्रमः, स्तव प्रसादस्य पुरस्तु सम्पदः।।

इकाई – IV

Q.5 निम्नलिखित छन्दों में से किन्हीं दो छन्दों की मात्रा तथा गण परिगणना सहित लक्षण और उदाहरण दीजिए : (10)

(i) वंशस्थ

(ii) शिखरिणी

(iii) बसन्ततिलका

(iv) स्रग्धरा

इकाई – V

Q.6 निम्नलिखित अलंकारों में से किन्हीं दो अलंकारों के लक्षण और उदाहरण लिखिए : (10)

(i) श्लेष

(ii) उत्प्रेक्षा

(iii) दृष्टान्त

(iv) दीपक

खण्ड – स

Q.7 कालिदास की भाषाशैली की समीक्षा कीजिए। (15)

अथवा

कालिदास ने अभिज्ञान शाकुन्तलम् की मूल कथा में क्या–क्या परिवर्तन कर कथा को नाट्य सौन्दर्य युक्त एवं रोचक बनाया है?

Q.8 महर्षि कण्व का चरित्र चित्रण कीजिए। (15)

अथवा

अभिज्ञान शाकुन्तलम् के सप्तम् अंक के वैशिष्ट्य का वर्णन कीजिए।